DEPARTMENT OF HINDI
FACULTY OF ARTS
A.M.U., Aligarh
Syllabus of Admission Test for Ph.D in Hindi 2021-22
Section-B

हिंदी भाषा और उसका विकास

अपभ्रंश (अवहट्ठ सहित) और पुरानी हिंदी का संबंध, हिंदी की बोलियाँ : वर्गीकरण तथा क्षेत्र; साहित्यक हिंदी के रूप में खड़ीबोली का उदय और विकास; नागरी लिपि का विकास और उसका मानकीकरण।

हिंदी साहित्य : विकासक्रम और प्रवृत्तियाँ

प्रमुख इतिहासग्रंथ; प्रमुख साहित्यिक केंद्र, संस्थाएँ एवं पत्र–पत्रिकाएँ; कालविभाजन और नामकरण।

आदिकाल : रासो, जैन, सिद्ध और नाथ साहित्य; अमीर खुसरो की हिंदी कविता; विद्यापति और उनकी पदावली।

भक्तिकाल : निर्गुण एवं सगुण संप्रदाय; आलवार संत; प्रमुख दार्शनिक संप्रदाय।

संतकाव्य : संतकाव्य की प्रवृत्तियाँ; प्रमुख कवि : कबीर, नानक, दादू, रैदास।

सूफ़ीकाव्य : सूफ़ी काव्य की प्रवृत्तियाँ; प्रमुख कवि और उनका काव्य : मुल्ला दाऊद (चांदायन), कुतुबन (मृगावती), मंझन (मधुमालती), मलिक मुहम्मद जायसी (पद्मावत)।

कृष्णभक्ति काव्य : विविध संप्रदाय, अष्टछाप के कवि और उनके काव्य की प्रवृत्तियाँ, भ्रमरगीत परंपरा, मीराँ और रसखान के काव्य की प्रवृत्तियाँ।

रामभक्ति काव्य : प्रमुख कवि और उनका काव्य; तुलसीदास की कृतियाँ, काव्य रूप; तुलसीदास का महत्त्व।

रीतिकाल : प्रमुख प्रवृत्तियाँ; कवियों का आचार्यत्व; रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधाराएँ; प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ : केशवदास, मतिराम, पद्माकर, बिहारीलाल और घनानंद।

आधुनिक कविता

भारतेंदु युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, व्यंग्य काव्य; खड़ीबोली काव्य का स्वरूप।

द्विवेदी युग : महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग; हिंदी नवजागरण और 'सरस्वती'; मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा; स्वच्छंदतावाद और उसके प्रमुख कवि।

छायावाद : छायावादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ; छायावाद के प्रमुख कवि : प्रसाद, निराला, पंत और महादेवी।

उत्तर छायावादी : प्रमुख कवि और उनके काव्य की प्रवृत्तियाँ।

प्रगतिवाद : नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल, शमशेरबहादुर सिंह, त्रिलोचन और मुक्तिबोध के काव्य का परिचय।

प्रयोगवाद और नयी कविता : अज्ञेय, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, रघुवीर सहाय, भवानीप्रसाद मिश्र के काव्य का परिचय।

कथासाहित्य, नाटक, निबंध और आलोचना

प्रेमचंदपूर्व उपन्यास; प्रेमचंद और उनका युग; प्रेमचंद के परवर्ती प्रमुख उपन्यासकार : जैनेंद्र, अज्ञेय, फणीश्वरनाथ रेणु, निर्मल वर्मा, श्रीलाल शुक्ल, राही मासूम रज़ा, मन्नू भंडारी।

हिंदी कहानी : उद्‌भव और विकास।

हिंदी नाटक का विकासक्रम और प्रमुख नाट्यकृतियाँ : अंधेर नगरी, चंद्रगुप्त, अंधायुग, आधे–अधूरे।

प्रमुख निबंधकार : बालकृष्ण भट्‌ट, रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, हरिशंकर परसाई।

हिंदी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेंद्र, रामविलास शर्मा।

DEPARTMENT OF HINDI
FACULTY OF ARTS
A.M.U., ALIGARH

Syllabus for Admission to Ph.D Programme in Hindi Translation 2021-22

Section-B

हिंदी–व्याकरण :हिन्दी भाषा और उसकी प्रकृति, वर्णविचार, ध्वनि, लिपि, देवनागरी वर्ण माला, स्वर, व्यंजन, मात्रा–विचार, शब्द संपदा, शब्द निर्माण, उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास, शब्द सौष्ठव : परिभाषा, भेद, सार्थक शब्द, निरर्थक शब्द, रूढ़ यौगिक, योग रूढ़, पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी, संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, लिंग, वचन, कारक, वर्तनी और वाक्य संरचना, मुहावरे और कहावतें और शब्दबंध, भाव–पल्लवन तथा संक्षेपण

अंग्रेज़ी व्याकरण :The Sentence, Subject and Predicate, Parts of Speech, The Noun : Kinds, Gender, Number, Case, The Adjective : Comparison and Positions, Articles, Pronouns, The Verb, Tenses, The Adverb, The Preposition, The Conjunction, Correction of the Sentences, Synonyms and Antonyms, One Word Substitution, Idioms, Phrases and Proverbs.

भाषा विज्ञान : सामान्य परिचय एवं भेद (ध्वनिविज्ञान, शब्दविज्ञान, अर्थविज्ञान, वाक्यविज्ञान), भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ।

हिंदी भाषा : हिंदी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास; मानक भाषा, नागरी लिपि, हिन्दी के प्रचार–प्रसार के आंदोलन, प्रमुख व्यक्तियों तथा संस्थाओं का योगदान।

प्रयोजनमूलक हिंदी :राजभाषा के रूप में हिन्दी, प्रयोजनमूलक हिंदी का व्यावसायिक स्वरूप।

पारिभाषिक शब्दावली सैद्धांतिक : पारिभाषिक शब्दावली–वर्गीकरण एवं निर्माण के सिद्धांत; अवधारणा और स्वरूप : पारिभाषिक शब्दावली : अभिप्राय, अवधारणा और स्वरूप, पारिभाषिक शब्दावली का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य, पारिभाषिक और प्रयुक्ति : क्षेत्र, पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत और समस्याएँ। **पारिभाषिक शब्दावली व्यावहारिक** : साहित्य, मानविकी, विज्ञान, तकनीकी, दर्शन और मनोविज्ञान, जीवविज्ञान, आयुर्विज्ञान शब्दावली (हिंदी–अंग्रेज़ी–हिंदी),

अनुवाद–सिद्धांत एवं व्यवहार: अनुवाद का अर्थ, परिभाषा और अवधारणा, अनुवाद का स्वरूप और क्षेत्रा, अंग्रेज़ी–हिंदी अनुवाद की समस्याएँ।

अनुवाद : आवश्यकता और स्वरूप : अनुवाद : आवश्यकता एवं बढ़ती उपयोगिता – अनुवाद का जन्म : पश्चिम और पूर्व, आकस्मिकता और ऐतिहासिक आवश्यकता, उपयोगिता का आरंभिक चरण, अनुवाद और वैश्वीकरण, परिभाषाएँ एवं स्वरूप – परिभाषाओं में निहित अनुवाद–अर्थ, स्रोतभाषा और लक्ष्यभाषा संबंध, अनुवाद–कला या शिल्प, अनुवाद एक विकसित विज्ञान।

अनुवाद–अध्ययन – अनुवाद और अनुवाद–अध्ययन, पश्चिम में अनुवाद–अध्ययन : आरंभ, भारतीय अनुवाद–अध्ययन : आरंभ, अनुवाद–अध्ययन के स्रोतों में अंतर।

अनुवाद : परंपरा और इतिहास : पश्चिम में अनुवाद–परंपरा : अनुवाद–परंपरा से अभिप्राय, बहुभाषिकता और एकभाषिकता, अनुवाद और व्यापार, बाइबिल–अनुवाद की ऐतिहासिकता, अनुवाद के इतिहास का भारतीय परिप्रेक्ष्य : संस्कृत–फ़ारसी अनुवाद–परंपरा, संस्कृत–अंग्रेज़ी अनुवाद का परिप्रेक्ष्य, संस्कृत–फ़ारसी–हिंदी अनुवाद–परंपरा, क्लासिक काव्य का गद्यानुवाद।

अंग्रेज़ी–हिंदी अनुवाद–परंपरा : हिंदी में साहित्यानुवाद की परंपरा (अंग्रेज़ी–हिंदी), विभिन्न ज्ञानानुशासनों में अनुवाद की परंपरा (अंग्रेज़ी–हिंदी), हिंदी–अनुवाद चिंतन परंपरा, प्रयोजनमूलक अनुवाद।

अनुवाद : प्रक्रिया एवं प्रकार : अनुवाद–प्रक्रिया : द्विभाषिक अनुवाद–प्रक्रिया, प्रक्रिया : एक वैज्ञानिक प्रणाली, प्रक्रिया का चरणात्मक स्वरूप, लेखक–पाठक–अनुवादक।

अनुवाद के प्रकार : शब्दानुवाद, भावानुवाद, मुक्तानुवाद, सारानुवाद, व्याख्यानुवाद, वार्तानुवाद, आशु अनुवाद, अनुवाद–पुनर्सृजन।

अनुवाद–सिद्धांत : अनुवाद–सिद्धांत की रूपरेखा : अनुवाद–सिद्धांत, अनुवाद और अभिगम, सैद्धांतिक सामग्री के स्रोत, अनुवाद और संस्कृति, अनुवाद : विविध सिद्धांत : अनुवादक के गुण / योग्यता, समतुल्यता का सिद्धांत, वस्तु–तत्त्व और शिल्प, अर्थ–संप्रेषण, अनुवाद का भाषिक सिद्धांत : अनुवाद और भाषा–विज्ञान, पाठ–विश्लेषण की समस्याएँ, सूचना एवं तथ्य, अभिव्यक्ति की कठिनाइयाँ।

अनुवाद–चिंतक : यूजीन ए नाइडा, पीटर न्यूमार्क, भोलानाथ तिवारी।

अनुवाद का सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ : बहुभाषिक समाज में अनुवाद : बहुभाषिक समाज से तात्पर्य और भारतीय समाज की बहुभाषिकता, बहुभाषिक समाज में संपर्क भाषा, बहुभाषिक समाज में अनुवाद के क्षेत्र, राष्ट्रीय, सांस्कृतिक सामाजिक एकता और अनुवाद की भूमिका, भाषा और संस्कृति, मुहावरे और लोकोक्तियाँ–व्यावहारिक अभ्यास : विशिष्ट सांस्कृतिक शब्दावली और अभिव्यक्तियाँ, मुहावरा मीमांसा – परिभाषा और वर्गीकरण, मुहावरों का

(2)

व्यावहारिक अनुवाद, लोकोक्ति मीमांसा – परिभाषा और वर्गीकरण, अनुवाद का सांस्कृतिक संदर्भ– वाक्य–संरचनाएँ, व्यतिरेकों के स्तर, अर्थ–वैज्ञानिक संज्ञान।

अनुवाद–मूल्यांकन एवं पुनरीक्षण : अनुवाद–मूल्यांकन : मूल्यांकन के आधार (शब्द, ध्वनि, अर्थ, व्याकरण आदि), विविध विषयों में मूल्यांकन के निकष, मूल्यांकन का व्यावहारिक पक्ष, अस्पष्ट अनुवाद से अभिप्राय, अनुवाद पुनरीक्षण : पुनरीक्षण : अभिप्राय, महत्त्व और आवश्यकता, पुनरीक्षक के गुण एवं योग्यताएँ, पांडुलिपि पुनरीक्षण ।

साहित्यिक अनुवाद :सर्जनात्मक साहित्यानुवाद : स्वरूप और समस्याएँ : सर्जनात्मक साहित्यानुवाद का वैशिष्ट्य, शब्दशक्ति : अभिधा, लक्षणा और व्यंजना, सांस्कृतिक संदर्भ, काल–बोध एवं स्थिति–बोध, शैलीगत वैशिष्ट्य, विधागत वैशिष्ट्य।

विभिन्न साहित्यिक रूप और अनुवाद : सर्जनात्मक गद्य का अनुवाद : ध्वनि, वक्रोक्ति, व्यंजना; तान, अनुतान, बलाघात; सांस्कृतिक, पक्ष; मुहावरे और लोकोक्तियाँ; शैली, वैचारिक गद्य का अनुवाद : पारिभाषिकी, विश्लेषणात्मकता, काव्यानुवाद : लय, तुक, छंद, बिंब, प्रतीक, मिथक; नाद–सौंदर्य; रस; अलंकार, नाट्यानुवाद : तान, अनुतान, बलाघात; ध्वन्यात्मकता; अपूर्ण और संकेतात्मक वाक्य–रचना; विडंबना; प्रभावी संप्रेषण।

मानविकी अनुवाद : इतिहास और समाजशास्त्र विषयक अनुवाद : व्यावहारिक अभ्यास : इतिहास विषयक अंग्रेज़ी–हिंदी अनुवाद, इतिहास विषयक हिंदी–अंग्रेज़ी अनुवाद, समाजशास्त्र विषयक हिंदी–अंग्रेज़ी अनुवाद।